यूपी को बनाना है एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, युवा बनें जॉब क्रिएटर

सीएम योगी ने आगरा में आयोजित यूनिकॉर्न महाकुंभ में कहा- स्टार्टअप के लिए प्रदेश तैयार

अमर उजाला ब्यूरो

आगरा। नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपना लोहा मनवा चुके 100 यूनिकॉर्न के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्टार्टअप के लिए यूपी तैयार है। प्रदेश को 2029 तक दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए युवा जॉब क्रिएटर बनें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, परिवहन व खाद्यान्न क्षेत्र में स्टार्टअप की अपार संभावनाएं हैं।

ताजमहल के करीब होटल अमर विलास में आयोजित यूनिकॉर्न कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ, कोरोना काल और मिल्क प्रोड्यूसर ग्रुप की महिलाओं के नवाचारों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इनोवेटिव आइडिया के लिए यूपी बड़ा बाजार है। यहां बहुत मांग है।

महाकुंभ में डिजिटल खोया पाया केंद्र का उदाहरण देते हुए कहा कि 28 हजार लोगों को सकुशल घर पहुंचाया गया है। महाकुंभ में 62 करोड़ से अधिक लोग आ चुके हैं। इतने बड़े आयोजन में यह सब डिजिटल तकनीक से संभव हुआ। उन्होंने कहा कि यूपी का फिजिक्स वाला देखते ही देखते यूनिकॉर्न बन गया। प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा स्कूली छात्र भी फिजिक्स वाला से पढ़ रहे हैं। उन्होंने यूनिकॉर्न संस्थापकों से कहा कि यूपी में मेडिकल, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, परिवहन, खाद्यान्न क्षेत्र में स्टार्टअप की अपार संभावनाएं हैं। यूपी में सामर्थ्य है।

कोरोना काल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में आईसीयू की कमी थी। सभी जगह से एनेस्थेटिस्ट को बुलाकर प्रशिक्षण दिया। 75 जिलों में वर्चुअल आईसीयू चलाए। उन्होंने कोविड में पलायन करने वाले कामगारों को दी गई परिवहन, भोजन व स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर टेक्नो बस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टेक्नो बस सेवा पांच बसों से शुरू की गई थी। अब 40 बसें चल रही हैं। प्रदेश में 1.50 लाख बसों की जरूरत है। जो शहरों को गांव से जोड़कर परिवहन क्षेत्र में क्रांति लाएंगी।

रविवार को आगरा के होटल अमर विलास में 100 यूनिकॉर्न की कांफ्रेंस को सीएम योगी ने संबोधित किया। अमर उजाला

62 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ आ चुके अब तक

28 हजार लोगों को खोया पाया केंद्र से सकुशल घर पहुंचाया

दुनिया में पहचान बना चुका स्टार्टअप इंडिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप की संस्कृति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नया आयाम दिया है। पहले सिस्टम के प्रति विश्वास नहीं था, लेकिन अब विश्वास पैदा हुआ। पीएम ने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मेक इन इंडिया की भावना को आगे बढ़ाया। अब देश में इस दिशा में बहुत अच्छे कदम उठाए गए हैं। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर हमेशा लोगों को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के बारे में कहा था कि हमारा युवा अब जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनेगा। स्टार्टअप इंडिया दुनिया में पहचान बना चुका है। खाद्य प्रसंस्करण व उत्पादन में यूपी की मजबूत स्थिति बयां करते हुए कहा कि अगले क्यूआर कोड व डिजिटल सुविधाओं से प्रदेश में नया विश्वास पैदा हो रहा है। उन्होंने युवाओं से नवोन्मेषों को तकनीक से जोड़ने के लिए यूपी को कर्मभूमि बनाने का आह्वान किया।

- **इनोवेटिव आइडिया से आते हैं परिणाम:** मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में अनेक यूनिकॉर्न हैं। उत्तर प्रदेश में भी काफी कदम उठाए गए हैं। यूपी में 14 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। सात हजार ऐसे हैं, जो महिलाओं के हैं। इन्होंने जीवन के अलग- अलग फील्ड में कुछ नया करके दिखाया है। यूपी जैसे राज्य में फिजिक्स वाला यूनिकॉर्न बना। यह दिखाता है कि इनोवेटिव आइडिया के साथ तकनीक जुड़ती है तो परिणाम आते हैं।